भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3748

जिसका उत्तर मंगलवार, 16 दिसम्बर, 2014 को दिया जाना है

पेपर मिल का बंद होना

3748. श्री राधेश्याम बिश्वास:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि कछार पेपर मिल जो हिन्दुस्तान पेपर कार्पोरेशन लिमिटेड की हेलाकन्डी जिले में पंचग्राम में स्थित एक इकाई है, में उत्पादन लगातार कम हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह पेपर मिल कुछ वर्षों से कच्चे माल के अभाव तथा भारी हानि होने के कारण बंदी के कगार पर है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं सरकार द्वारा उक्त मिल को बंद होने से बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): मिजोरम राज्य से कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाने के बाद कछाड़ पेपर मिल (सीपीएम) जनवरी, 2014 से लगभग पूरी क्षमता से उत्पादन कर रही है और अपने पिछले 06 वर्ष के उत्पादन की तुलना में आज की तारीख में इसने उच्चतम उत्पादन दर्ज किया है।

(ग) और (घ): जी, हां। विगत 3-4 वर्षों में बांस के सामूहिक पुष्पन के कारण कच्चे माल की अनुपलब्धता और बाद में मिजोरम राज्य द्वारा बांस की आपूर्ति तथा परिवहन पर प्रतिबंध लगाए जाने की वजह से सीपीएम का परिचालन निष्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ जिससे उसका वित्तीय निष्पादन भी गिर गया। परन्तु, जब से सीपीएम को मिजोरम राज्य से बांस प्राप्त होना आरंभ हुआ, उसके बाद से उत्पादन संबंधी सुविधाओं में सुधार होने से वित्त वर्ष 2014-15 में कायाकल्प होना दिखाई दिया।

सीपीएम द्वारा सामना की गई समस्याओं का एहसास होने के बाद, भारत सरकार ने ढेर सारे उपाय किए हैं जिनमें सीपीएम की संचालन व क्रियान्वयन संबंधी प्रतिकूलताओं को कम करने के लिए अनन्य रूप से परिवहन के कारण इसकी परिचालन लागतों को पूरा करने के लिए अनुदान दिया जाना शामिल है और आशा है कि वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान कंपनी का कायाकल्प हो जाएगा। इसके अलावा, भारी उद्योग विभाग ने भी कछाड़ पेपर मिल के लिए कार्यशील पूंजी सहायता प्रदान की है।

******